राज्यगसभा

अतारांकित प्रश्ना संख्या 1182

6 मई, 2015 को उत्तयर के लिए

देश में इस्पात की प्रति व्यक्ति खपत

1182. श्री राम कुमार कश्यप:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क): क्या यह सच है कि देश में वर्तमान में प्रति व्यक्ति इस्पात की खपत 60 किलोग्राम है, जबकि विश्व औसत अनुमानत: 222 किलोग्राम है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख): शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की प्रति व्यक्ति खपत कितनी-कितनी है;

(ग): सरकार द्वारा इस्पात की खपत बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों का ब्यौरा क्या है; और

(घ): ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की खपत में वृद्धि के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तघर

इस्पा त्और खान राज्ये मंत्री (श्री विष्णुद्वेव साय)

(क): वर्ल्डर स्टीवल एसोसिएशन द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2014-15 के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार भारत की पूर्ण फिनिश्डे इस्पावत की प्रति व्यक्ति खपत वर्ष 2013 में 219 किग्रा. विश्व औसत की तुलना में 60.3 किग्रा. है। विकसित देशों में इस्पावत की उच्च प्रति व्यिक्ति खपतहोने के मुख्य कारणों में एक कारण विकासशील देशों की तुलना में इन देशों में अवसंरचना और औद्योगिक विकास का उच्च स्तमर होना है।

(ख): वर्ष 2014-15 के अंनतिम आंकड़ों के अनुसार पूर्ण फिनिश्ड इस्पादत की अनुमानित घरेलू प्रति व्याक्ति खपत ग्रामीण भारत में लगभग 11 किग्रा. और शहरी भारत में 170 किग्रा. है।

(ग) और (घ): इंस्टिट्यूट फॉर स्टीनल डेवलपमेंट एंड ग्रोथ (आईएनएसडीएजी) , जो कि इस्पापत मंत्रालय द्वारा प्रवर्तित एक संगठन है और प्रमुख इस्पाटत उत्पा दक निर्माण और सम्बटद्ध क्षेत्रों में इस्पानत का कुशल उपयोग किए जाने के संबंध में कार्रवाई कर रहे हैं। आईएनएसडीएजी ने विशेषत: ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पाउत खपत को प्रचलित करने की कई पहल किए हैंइनमें से कुछ नीचे दिए गए हैं:-

(i) इस्पा◌ात उपयोग के लाभों के संबंध में जागरूकता पैदा करने और रिइंफोर्समेंट बार के उपयोग वाली उत्ताम पद्धतियों को प्रोत्सा◌ोहित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान आयोजित किए हैं।

(ii) इस्पामत के उपयोग वाले आदर्श ग्रामीण आवासों , अनाज स्टोभरेज बिन, कल्व्रटस , पंचायत भवन , सामुदायिक शौचालय इत्यातदि की डिजाईन विकसित की है।

(iii) इस्पा◌ात के घरेलू अनुप्रयोगों के संबंध में क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशन जारी करके सूचनाएं प्रदान की हैं।

(iv) ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे अपने क्षेत्रों में स्टी◌ेल फेब्रिकेशन की सुविधाओं की स्था)पना करने में सक्षम बन सके।

*****